सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्षः 9 ● अंकः 28 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार, 1 मार्च, 2023
मूल्य ₹ 3/-

पहले कठिन काम पूरे कीजिये। आसान काम खुद-बखुद पूरे हो जायेंगे।
-डेल कार्नेगी

मोदी सरकार की साजिश नाकाम... 7 | एक्सप्रेस-वे से बढ़ेगी वोटों की... 3 | सदन में हो शालीन शब्दों का ही... 2

होली पर मिलना था मुफ्त सिलेंडर पर बढ़ गये दाम

देश भर में विपक्ष का भारी हंगामा

» घरेलू सिलेंडर के दाम 50 रुपये बढ़ाए

» लखनऊ में अब 1140 रुपये में देने होंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। होली से पहले देश के लोगों को एक और महंगाई का झटका लगा है। वहीं यूपी की राजधानी लखनऊ में घरेलू एलपीजी सिलिंडर अब 1,140 रुपये में मिलेगा। इस दाम को बढ़ा कर सबसे ज्यादा तो यूपी के लोगो को छला गया है, क्योंकि योगी सरकार ने त्यौहारों पर दो सिलेंडर मुफ्त देने का वादा किया था। होली आने वाली है पर मुफ्त सिलेंडर तो मिला नही पर दाम जरूर बढ़ा दिए गए। सरकार के दाम बढ़ाने के फैसले के बाद पूरे देश में विपक्ष ने जोरदार प्रदर्शन कर इसका विरोध शुरू कर दिया है।

इससे पहले, तेल विपणन कंपनियों ने नए वर्ष पर कॉमर्शियल सिलिंडर की कीमत में 25 रुपये की बढ़ोतरी की थी। लिक्विड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) सिलिंडर की कीमतों में इजाफा हुआ है। घरेलू रसोई गैस सिलिंडर की कीमतों में 50 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। दिल्ली में 14.2 किलो के घरेलू रसोई गैस सिलिंडर की कीमत बढ़कर अब 1,103 रुपये हो गई है। कमर्शियल सिलिंडर की कीमतों में 350.50 रुपये की बढ़ोतरी हुई है।

होली से पहले मोदी सरकार का झटका

लखनऊ में घरेलू एलपीजी सिलिंडर

1140 ₹

एक साल में 203.50 रुपए बढ़े दाम

बीते एक साल में घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में बदलाव की बात करें तो इसमें कुल 5 बार बदलाव हुआ है। 22 मार्च 2022 को सिलेंडर के दाम 50 रुपए बढ़ने के बाद दिल्ली में ये 899.50 रुपए से बढ़कर 949.50 रुपए हो गए थे।

कॉमर्शियल सिलेंडर 350 रुपए महंगा

वहीं, 19 किलो वाले कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम में 350.50 रुपए का इजाफा किया गया है। दिल्ली में ये अब 2119.50 रुपए का मिल रहा है। इस साल कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में यह दूसरी बढ़ोतरी है। 1 जनवरी को कीमतों में 25 रुपए का इजाफा किया गया था।

पांच साल में 45 फीसदी बढ़े रसोई गैस के दाम

पिछले कुछ वर्षों में एलपीजी के दाम तेजी से बढ़े हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय के आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, एक अप्रैल, 2017 से 6 जुलाई, 2022 के बीच एलपीजी की कीमतों में 58 बार बदलाव हुआ। इससे एलपीजी सिलिंडर की कीमत में 45 फीसदी की बढ़त हुई। आपको बता दें कि अप्रैल 2017 में एलपीजी सिलिंडर की कीमत 723 रुपये थी। जुलाई 2022 तक 45 प्रतिशत बढ़कर 1,053 रुपये हो गई थी।

जेब पर डाला डाका : अखिलेश

लखनऊ। सपा प्रमुख ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा, भाजपा घरेलू व कमर्शियल सिलेंडर के दाम बढ़ाकर खाने पर अप्रत्यक्ष कर लगा रही है। कमर्शियल सिलेंडर के दाम बढ़ने से हर तरह का उत्पादन महँगा होगा, लागत बढ़ेगी तो उत्पादों के दाम भी बढ़ेंगे, जो नौकरीपेशा बच्चे बाहर से मंगाए टिफ़िन और खाने पर निर्भर करते हैं, ये उनकी जेब पर भी डाका है।

“ भाजपा सरकार ने होली के ठीक पहले सिलेंडर के दाम फिर बढ़ा दिए। 2014 से सरकार ने सिलेंडर के दाम 275 प्रतिशत तक बढ़ाए हैं, कांग्रेस सरकार में सिलेंडर 400 रु का था, राजस्थान की कांग्रेस सरकार 500 रु में सिलेंडर दे रही है, प्रधानमंत्री जी बताइए, तब आपकी सरकार इस तरह जनता को क्यों लूट रही है? - प्रियंका गांधी, महासचिव, कांग्रेस

“ दिवाली में मुफ्त सिलेंडर देने का वादा करने वाली भाजपा सरकार ने होली से ठीक पहले घरेलू गैस सिलेंडर 50 व कमर्शियल सिलेंडर 350 रुपये बढ़ा दिये। आप राष्ट्र निमार्ण में महंगा सिलेंडर खरीदकर अपना योगदान दे सकते हैं।

संजय सिंह, आप नेता व राज्य सभा सांसद

सदन में हो शालीन शब्दों का ही प्रयोग : अखिलेश यादव

» सीएम द्वारा दिए गए बाप का सम्मान न करने संबंधी बयान का सपा अध्यक्ष ने दिया जवाब

» रामचरित मानस का विरोधी नहीं, पर गलत को गलत ही कहूंगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए बाप का सम्मान न करने संबंधी बयान का जवाब देते हुए अखिलेश ने यह परंपरा ठीक नहीं है। सदन में ऐसा आचरण नहीं होना चाहिए। ऐसे शब्दों का प्रयोग नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसा होगा तो दूसरा भी जवाब दे सकता है।

उन्होंने कहा कि ऐसा होगा तो दूसरा भी जवाब दे सकता है। उन्होंने मुख्यमंत्री की ओर इशारा करते हुए कहा कि आपने भी तो कई परंपराओं का निर्वाह नहीं किया है। हम भी चाहते तो बहुत कुछ कह सकते थे, लेकिन नेताजी (मुलायम सिंह) ने हमें ऐसी शिक्षा नही दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा विधानसभा में रामचरित मानस की चौपाई की व्याख्या के बाद अब नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने इस मुद्दे को उठाया है। हालांकि इस मुद्दे को सियासत गरमाने के बाद अखिलेश ने नरम रूख दिखाते हुए कहा है कि वह रामचरित मानस के विरोधी नहीं है। भागवान किसी एक के नहीं हैं, बल्कि वे सबके हैं। उन्होंने कहा कि फिर भी जो गलत है, उसे गलत कहना चाहिए। मुख्यमंत्री द्वारा बताए गए शुद्र और ताड़न के अर्थ से असहमति जताते हुए अखिलेश ने कहा कि यह वही शुद्र हैं जो आपका साथ न दिए होते तो शायद आप सत्ता में न आते। विधानसभा में बजट पर मंगलवार को हो रही चर्चा में भाग लेते हुए अखिलेश ने शुद्र का अपमान करना गलत है, क्योंकि शुद्र होना कोई अपराध नहीं है।

जाति व्यवस्था की लड़ाई चलती रहेगी

जातीय व्यवस्था पर सरकार को घेरते हुए अखिलेश ने कवि दिनकर की कुछ कविताओं में कर्ण जैसे कई योद्धाओं की उदाहरण देते हुए कहा कि जाति व्यवस्था की लड़ाई तो 5000 वर्ष से पहले चली आ रही है। आगे भी यह लड़ाई चलती रहेगी। उन्होंने कहा कि हम उस व्यवस्था का विरोध करते हैं, जिसमें एक मुख्यमंत्री के जाने के बाद दूसरा सीएम आये तो आवास को गंगा जल से धुलवाया जाए। इस मौके पर अखिलेश ने सरकार के बजट को किसान और नौजवानों का विरोधी बताते हुए भाजपा के संकल्प पत्र में शामिल उन वादों का भी उल्लेख किया, जिसे अब तक पूरा नहीं किया जा सका है। नेत सदन द्वारा लगाए गए एसडीएम के पद पर 86 में से 56 पदों पर एक ही जाति का चयन होने के आरोप के जवाब में अखिलेश ने आंकड़ा पेश किया। उन्होंने कहा कि नेता सदन ने जाति का नाम भले ही न लिया हो, पर मैं बता रहा हूं कि 2011 में हुए चयन में 30 में से 5 एडीएम यादव जाति के चयनित हुए थे। इसी प्रकार 2012 में 4, 2013 में 6 और 2015 में 3 यादव एसडीएम के पद पर चयनित हुए थे। उन्होंने सरकार से 56 लोगों की सूची सदन में रखने की भी मांग दोहराई।

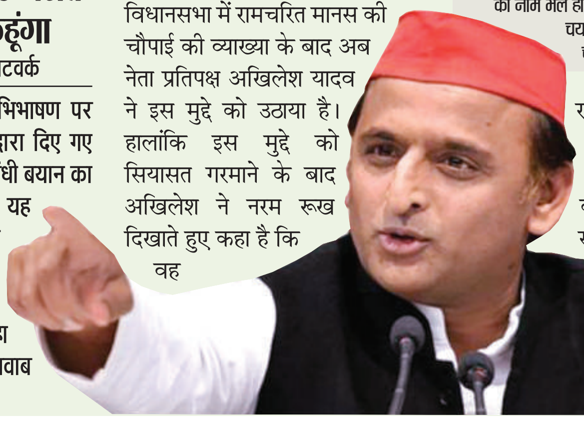

अमित शाह और जेपी नड्डा पोल एजेंट : सिद्धारमैया

» बोम्मई का पलटवार- क्या राहुल गांधी कांग्रेस एजेंट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंगलुरू। कर्नाटक में सिद्धारमैया ने अमित शाह और जेपी नड्डा को पोल एजेंट बताने के बाद वहां पर सियासी घमासान मचा हुआ। कांग्रेस नेता के बयान के बाद बीजेपी ने भी पलटवार किया है। मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी को कांग्रेस एजेंट बताया है।

उनका यह बयान गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के खिलाफ कांग्रेस नेताओं द्वारा लगाए गए आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए कि वे पोल एजेंट बन गए हैं, कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने पूछा कि क्या एआईसीसी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी कांग्रेस एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं। उधर हुबली जिले में मीडिया को संबोधित करते हुए बोम्मई ने कहा कि कांग्रेस नेताओं द्वारा दिए गए बयान पार्टी की हताशा को दर्शाते हैं।

बोम्मई ने कहा कि एक रथ यात्रा 1-4 मार्च से शुरू होगी और राज्य के सभी 224 विधानसभा क्षेत्रों को कवर करने के बाद दावणगेरे में समाप्त होगी। रथ यात्रा में बहुत सारे लोग भाग लेंगे, जल्द ही आगामी राज्य विधानसभा चुनावों के लिए उम्मीदवारों की सूची तय किया जाएगा।

यूपी पुलिस कर रही मनमानी

» शफीकुर्रहमान बर्क बोले- मुसलमानों पर ज्यादा हो रहा जुल्म

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

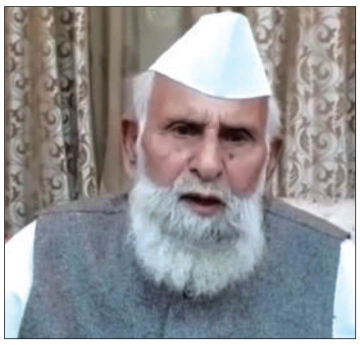

लखनऊ। शफीकुर्रहमान बर्क ने कानून व्यवस्था को लेकर योगी सरकार पर करारा हमला किया। साथ ही कि इस निजाम (सरकार) में खासकर मुसलमानों पर ज्यादा जुल्म हो रहा है। उन्होंने कहा कि देश के लोग शांति से रहना चाहते हैं। देश का निजाम ठीक नहीं है। उन्होंने प्रयागराज की घटना का भी जिक्र किया।

पुलिस के ऊपर आरोप लगाया कि वो मनमानी कर रही है। शफीकुर्रहमान ने कहा कि सरकार का मतलब होता है, लोगों को महफूज रखना। जिंदगी महफूज है तो निजाम ठीक और जिंदगी अगर महफूज नहीं तो निजाम ठीक नहीं। ये बयान देकर उन्होंने बीजेपी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इस सरकार में हत्याएं हो रही हैं, मॉब लिंचिंग हो रही है। बेटियों के साथ भी क्राइम हो रहा है। सबसे ज्यादा जुल्म मुसलमानों के साथ हो रहा है।

देश का निजाम ठीक नहीं

बर्क ने कहा कि इस तरह की वारदातों से देश का नाम खराब होता है। बात-बात पर गोली मारने की घटनाएं हो रही है। ऐसे में सवाल उठता है कि पुलिस क्या कर रही है। पुलिस पैसे लेती है और अपनी मर्जी से काम करती है। उन्होंने कहा कि देश का निजाम (सरकार) बिल्कुल ठीक नहीं है। इससे पहले बर्क ने सीएम योगी के बयान मिट्टी में मिला दूंगा को असंसदीय भाषा बताया था। साथ ही सीएम योगी को सलाह दी कि ऐसी भाषा का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। बड़े-बड़े माफिया पनप रहे हैं।

नए अंदाज में राहुल गांधी, ट्रिम कराई दाढ़ी

» भारत जोड़ो यात्रा के दौरान अपनी दाढ़ी की वजह से काफी सुर्खियों में रहे थे कांग्रेस सांसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत जोड़ो यात्रा और कांग्रेस अधिवेश से फारिग होकर अब राहुल गांधी ब्रिटेन के दौरे पर पहुंच गए हैं। भारत यात्रा के दौरान कांग्रेस सांसद राहुल गांधी अपनी दाढ़ी की वजह से काफी सुर्खियों में रहे थे। हालांकि, अब राहुल गांधी ने अपना पूरा लुक बदल दिया है। राहुल गांधी की एक तस्वीर सामने आई है। इसमें उन्होंने अपनी दाढ़ी को ट्रिम करा दिया है।

साथ ही उन्होंने अपने हेयर कट में भी बदलाव किया है। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद और शायर इमरान प्रतापगढ़ी ने राहुल गांधी की एक तस्वीर ट्विटर पर शेयर की है। इस

कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में लेक्चर देने गए ब्रिटेन

तस्वीर में राहुल गांधी ब्लैक सूट में नजर आ रहे हैं। साथ ही उनका हेयर कट भी बदला हुआ दिखाई दे रहा है और उन्होंने अपनी दाढ़ी को भी ट्रिम करा लिया है। इमरान प्रतापगढ़ी ने फोटो को ट्वीट कर लिखा राहुल का ये नया लुक शानदार है। बता दें कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी सात दिवसीय दौरे पर ब्रिटेन गए हैं। राहुल यहां कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में लेक्चर देंगे। इस दौरान वह भारतीय प्रवासी समूह को भी संबोधित करेंगे। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा बीते साल 7 सितंबर को कन्याकुमारी से शुरू हुई थी। करीब 4,000 किलोमीटर की इस यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने कई राज्यों का दौरा किया था। इस दौरान कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा में आम आदमी से लेकर कई नामी हस्तियों ने शिरकत की थी।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

बिहार विधानसभा में भाजपा विधायकों ने उठाई कुर्सियां

» वैशाली में शहीद के परिवार के अपमान पर जमकर हंगामा, सरकार शर्म करो के लगे नारे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधानसभा के बजट सत्र का आज तीसरा दिन है। सदन में आज वैशाली में शहीद बेटे का स्मारक बनाने पर पिता को जेल भेजने के मामले पर जमकर हंगामा हुआ। बीजेपी विधायकों ने वेल में आकर प्रदर्शन किया। तेजस्वी के भाषण के दौरान विधायकों ने कुर्सियां उठा लीं। सरकार शर्म करो...शर्म करो के नारे लगाए गए। हंगामे के बाद बीजेपी विधायकों ने सदन से वॉक आउट कर दिया है।

तेजस्वी यादव ने इस पर सदन में कहा कि मैं उसी वैशाली से जीत कर आता हूं। जब जवान शहीद हुए थे तो हम वहां गए थे। प्रतिपक्ष के नेता गए थे कि नहीं पता नहीं। वहां के लोगों की मांग थी तो हमने वादा किया था। उस समय इनकी सरकार थी। हम लोग देशभक्ति बेचते नहीं है। उस समय परिवार की मांग थी मूर्ति लगे, लेकिन वो अपनी जमीन नहीं देना चाहते थे। बगल के दलित की जमीन पर बनाना चाहते थे। ये कैसे मुमकिन हो सकता था।

एक्सप्रेस-वे से बढ़ेगी वोटों की रफ्तार

भाजपा करेगी सड़कों का 2024 लोस चुनाव में इस्तेमाल

» सपा के पास लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे का सहारा

» बसपा-कांग्रेस को करना होगा रास्ता तैयार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 में एक्सप्रेस वे के सहारे वोटों की सवारी करने की जुगत में लगी है भाजपा। वहीं यूपी में सपा भी लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस वे की सड़क पर चलकर आगामी लोस चुनाव में सीटों की संख्या को बढ़ाने को आतुर है। सपा व भाजपा के पास सड़क के सहारे बेड़ापार करने की व्यवस्था है वहीं बसपा यमुना एक्सप्रेसवे और नोएडा एक्सप्रेसवे से वोटों को अपने पक्ष में करने की कोशिश करेगी। कांग्रेस को अभी भी सड़क की खाक छाननी है। भाजपा को सड़कों के सहारे सभी दलों पर भारी पड़ेगी, क्योंकि सड़के जिन भी राज्यों से गुजरेंगी वहां की लोक सभा सीटों पर असर करेंगी। मोदी सरकार इन सड़कों के सहारे भी राजनीतिक रफ्तार भरेगी।

यूपी में बीजेपी सरकार के कार्यकाल में 10 एक्सप्रेसवे के प्रोजेक्ट हैं। इनमें से कई अभी बन रहे हैं और कुछ बनकर तैयार हो चुके हैं। इसी तरह दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे 5 राज्यों से गुजर रहा है। मेरठ से लेकर प्रयागराज तक बन रहे गंगा एक्सप्रेसवे काम दिन-रात चल रहा है.रायबरेली के ऐहार गांव के बरुवाहार नाम की जगह पर बड़ी-बड़ी मशीनें काम में लगी हुई हैं। इन मशीनों की आवाजाही और मिट्टी ढो रहे ट्रकों से निकली धूल आसपास के गांवों के घरों के अंदर तक पहुंच रही है. लेकिन यहां के लोगों के लिए ये कोई खास परेशानी की बात नहीं है। ऐहार गांव के रहने वाले एक किसान अपने खेत के पास खड़े होकर गंगा एक्सप्रेसवे को देखते रहते हैं। सरकार ने इस इलाके के कई किसानों की जमीनें ली हैं और बदले में अच्छा-खासा मुआवजा भी दिया गया है। इसका असर इन गांवों के आर्थिक हालात पर दिख रहा है। जमीनों की कीमतें बढ़ गई हैं और इसकी वजह से वर्षों से सहमति से हुए बंटवारे और वादे भी टूट रहे है। धूल की वजह से मुंह में गमछा डाले एक किसान का कहना है कि सरकार ने कुछ लोगों को इतना पैसा दिया है कि उनकी पीढ़ियां बैठकर खा सकती है।

मुआवजे का इस्तेमाल: रोजगार में भी नशे की खुमार में भी नाम न बताने की शर्त पर किसान का कहना था कि मुआवजे की ये रकम गांव के युवाओं में नशे और तमाम दूसरे गलत कामों को बढ़ावा भी दे रही है। दूसरी ओर कुछ युवाओं ने इस पैसे का इस्तेमाल नए-नए बिजनेस में भी किया है और अब उनका रोजगार चल भी गया है और ठीक-ठाक आय हो जा रही है। लेकिन राजनीतिक नजरिए से देखें तो यूपी में बन रहे तमाम एक्सप्रेसवे और इनके जरिए बांटा जा रहा मुआवजा चुनाव जीतने का सबसे बड़ा फॉर्मूला और वजह बन सकता है। भारत में उत्तर प्रदेश पहला ऐसा राज्य है जहां 13 एक्सप्रेसवे हैं, ये सभी कुल 3,200 किलोमीटर की दूरी तय करेंगे, इनमें से 6 एक्सप्रेसवे पर वाहनों की आवाजाही शुरू हो चुकी है, इनमें से यमुना एक्सप्रेसवे और नोएडा एक्सप्रेसवे मायावती सरकार और लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे अखिलेश सरकार के समय बने हैं। यूपी में एक्सप्रेसवे का ये जाल दरअसल लोकसभा चुनाव में उस चक्रव्यूह की तरह है जिसको भेद पाना आसान नहीं होगा। क्योंकि बीते 8 सालों में प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना और कोरोनाकाल में शुरू की गई मुफ्त अनाज योजना और किसान सम्मान निधि योजना से देश में एक नए तरह का मिडिल क्लास तैयार हुआ है जिसमें ज्यादातर लाभार्थी किसान हैं। इन किसानों में बड़ा हिस्सा उन लोगों का है जिनके लिए खेती कई वर्षों से घाटे का सौदा साबित होता रहा है। लेकिन रोजगार का कोई दूसरा साधन न होने की वजह से खेती ही एकमात्र आय का साधन था। लेकिन सरकार की इन योजनाओं से जो राहत मिली है उससे इन घरों के युवाओं में महत्वाकांक्षाएं भी बढ़ी हैं. लेकिन एक्सप्रेसवे के लिए ली गई जमीनों के बदले मिला मुआवजे ने इनको लोअर मिडिल क्लास से उच्च क्रय क्षमता वाले समूह में पहुंचा दिया है. अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं जिन किसानों की सालाना आया 4-6 लाख हुआ करती थी उनको एकमुश्त 30 लाख से 1-1 करोड़ तक मुआवजा मिला है. इतना ही नहीं सरकार की ओर से ये भी दावा किया जा रहा है कि इन एक्सप्रेसवे के किनारे-किनारे उद्योग लगाने की भी तैयारी की जा रही है. मतलब जिनकी जमीनें अभी अधिग्रहीत नहीं हुई हैं वो इसका इंतजार कर रहे हैं।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे 5 राज्यों से गुजरेगा, 45 सीटों पर प्रभाव

यूपी में जहां 10 एक्सप्रेसवे 40 से ज्यादा लोकसभा सीटों पर असर डाल सकते हैं तो वहीं दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे 5 राज्यों से होकर गुजरेगा। इन राज्यों में दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र शामिल हैं। माना जा रहा है लोकसभा चुनाव 2024 से पहले इस एक्सप्रेसवे को अंतिम रूप देकर शुरू कर दिया जाएगा। 1400 किलोमीटर इस लंबे एक्सप्रेसवे को बनाने में 1 लाख करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे है। जिसमें 8 लेन होंगे, भारत का सबसे लंबा एक्सप्रेसवे बनने जा रहा है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे 36 लोकसभा सीटों से गुजर रहा है। जिसमें ज्यादातर सीटें बीजेपी के पास ही हैं। जिन राज्यों से एक्सप्रेसवे गुजर रहा है अगर वहां की बात करें तो दिल्ली की सभी सातों बीजेपी के पास हैं। गुजरात की सभी 26, राजस्थान की सभी 25 और हरियाणा की सभी 10 सीटों पर बीजेपी की ही कब्जा है। महाराष्ट्र की 48 में से 41 सीटों पर बीजेपी और शिवसेना गठबंधन जीता था। साल 2014 और साल 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी मोदी लहर के रथ पर सवार होकर सभी समीकरणों को ध्वस्त कर दिया था। क्या इस बार बीजेपी इन एक्सप्रेसवे के जरिए अपना रास्ता आसान करने की कोशिश कर रही है क्योंकि जिन राज्यों में ये एक्सप्रेसवे बन रहे हैं वहां पर बीजेपी को खुद को अपना प्रदर्शन दोहराने के लिए किसी करिश्मे की ही जरूरत पड़ेगी। सवाल इस बात का भी कि क्या विपक्ष इन एक्सप्रेसवे को देख रहा है?

केंद्रीय परियोजनाओं का भी असर

केंद्र सरकार की भारतमाला परियोजना के तहत बनाया जा रहा ये एक्सप्रेसवे गोरखपुर से सिलीगुड़ी को जोड़ेगा। यूपी में गोरखपुर से निकलकर देवरिया और कुशीनगर से गुजरेगा, इसके बाद बिहार के 9 जिले पूर्वी चंपारण, ईस्ट चंपारण, सीतामढ़ी, सिहोर, दरभंगा, सुपौल, कासगंज, मधुबनी, फॉरबिसगंज से होते हुए सिलीगुड़ी तक जाएगा। इसको बनाने के लिए यूपी के 50 से ज्यादा गांवों की जमीन ली गई है। इस एक्सप्रेसवे की लंबाई 519 किलोमीटर होगी। दिल्ली-सहारनपुर-देहरादून एक्सप्रेसवे को बनाने में 8,300 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इस एक्सप्रेसवे के बनने से दिल्ली से देहरादून की दूरी मात्र ढाई घंटे की रह जाएगी। ये एक्सप्रेसवे गाजियाबाद, बागपत,शामली, सहारनपुर से होते हुए देहरादून तक जाएगा।गाजीपुर-बलिया-मांझीघाट एक्सप्रेसवे से यूपी-बिहार की सीमा पर बनने वाले इस एक्सप्रेसवे से दो राज्यों के लोगों को फायदा पहुंचेगा। 132.76 किलिमीटर लंबे बनने वाला ये एक्सप्रेसवे वाराणसी और गाजीपुर और बलिया को जोड़ेगा। बीजेपी कार्यकाल में बनाए जा रहे ये एक्सप्रेसवे करीब 45 लोकसभा सीटों को छू रहे हैं।

सड़कों की लंबाई: सीटों की संख्या नजर आई

बीजेपी सरकार के कार्यकाल तैयार हो रहे 10 एक्सप्रेसवे प्रदेश की 80 लोकसभा क्षेत्रों में बड़ी संख्या को कवर रहे है। इसको समझने के लिए हमने सभी एक्सप्रेसवे के रूट को आकलन किया है। दिल्ली से मेरठ को जोड़ने वाले एक्सप्रेसवे की लंबाई 96 किलोमीटर है। लेकिन इसकी वजह पश्चिमी उत्तर प्रदेश के तमाम जिलों से दिल्ली आने वाले लोगों को बड़ा फायदा हुआ है, दिल्ली से गाजियाबाद और मेरठ को जोड़ता है। ये यूपी की 2 लोकसभा सीटों से गुजरता है। 341 किलोमीटर लंबा ये एक्सप्रेसवे शुरू हो चुका है, ये लखनऊ बाराबंकी, फैजाबाद, अंबेडकरनगर, अमेठी, सुल्तानपुर, आजमगढ़, मऊ और गाजीपुर से होकर गुजरता है, ये 9 लोकसभा सीटों से गुजरता है. ये पहला एक्सप्रेसवे है जो पूर्वांचल को सीधे लखनऊ से जोड़ता है। लखनऊ से गाजीपुर तक जाने के लिए अब सिर्फ ज्यादा से ज्यादा 4 घंटे का समय लगता है। पूर्वांचल एक्सप्रेस के किनारे-किनारे उद्योग लगाए जाने की भी तैयारी है। यानी जमीन के मुआवजे के साथ-साथ रोजगार बढ़ाने का भी दावा किया जा रहा है, इस एक्सप्रेसवे और बनने वाले इंडस्ट्रियल एरिया से 11 जिलों को फायदा हो सकता है. इस एक्सप्रसवे को अभी 6 लेन का बनाया गया है जिसे 8 लेन तक किया जा सकेगा. ये प्रोजेक्ट 22500 करोड़ का था। 296 किलोमीटर लंबे एक्सप्रेसवे पर 14,850 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। इसको लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे से भी जोड़ा गया है। ये एक्सप्रेसवे शुरू किया जा चुका है जो चित्रकूट, बांदा, महोबा, हमीरपुर, जालौन औरैया और इटावा से गुजरता है. यानी 6 लोकसभा सीटें इसके दायरे में आती हैं। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे की लंबाई 91.352 किलोमीटर है, इस प्रोजेक्ट की कुल लागत 5876.67 करोड़ रुपये ह, गोरखपुर, आजमगढ़, अंबेडकरनगर, संत कबीरनगर से गुजरता है, यानी 4 लोकसभा सीटों से गुजर रहा है। 63 किलोमीटर लंबे इस एक्सप्रेसवे को बनाने के लिए उन्नाव 31 और लखनऊ जिले के 11 गांवों की जमीन अधिग्रहीत की गई है। इस ये एक्सप्रेसवे तीन लोकसभा क्षेत्रों कानपुर, उन्नाव और लखनऊ से गुजरेगा। गंगा एक्सप्रेसवे को 2024 के आखिरी तक लगभग पूरा कर लिया जाएगा।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

ये अनदेखी भारी न पड़ जाए

"जहां पत्रकारों के जरा सा सरकार के खिलाफ लिखने पर उनके सोशल मीडिया अकाउंट बंद कर दिये जाते हो, वहां एक राज्य में आतंकी गतिविधियों से संबंधित पोस्ट वायरल होते रहे वहां पर राज्य व केंद्र की सरकारों द्वारा अनदेखी किया जाना सवालों के घेरे में तो आएगा ही। इस तरह से इस घटना को नजरअंदाज करना कहीं पंजाब के अमनचैन के लिए भारी न पड़ जाए।"

पंजाब में पिछले दिनों चरमपंतियों ने पुलिस को चुनौती देकर शासन प्रशासन पर सवालिया निशान लगा दिया। सबसे बड़ी बात उस संगठन का सरगना अमृतपाल जो पिछले एक साल से खालिस्तान के पक्ष में पूरे राज्य में सोशल मीडिया पर सक्रिय हो उस पर सरकार की नजर क्यों नहीं पड़ी। जहां पत्रकारों के जरा सा सरकार के खिलाफ लिखने पर उनके सोशल मीडिया अकाउंट बंद कर दिये जाते हो, वहां एक राज्य में आतंकी गतिविधियों से संबंधित पोस्ट वायरल होते रहे वहां पर राज्य व केंद्र की सरकारों द्वारा अनदेखी किया जाना सवालों के घेरे में तो आएगा ही। इस तरह से इस घटना को नजरअंदाज करना कहीं पंजाब के अमनचैन के लिए भारी न पड़ जाए। एक उग्रपंथी सिख संगठन के नेता अमृतपाल सिंह का नाम हाल के दिनों में जिस तरह से उभरा, वह न केवल हैरत में डालने वाला बल्कि चिंताजनक भी है। पिछले हफ्ते अमृतसर के अजनाला पुलिस स्टेशन में उसका हथियारबंद समर्थकों के साथ घुस आना और पुलिस को मजबूर करके अपने एक करीबी की अगले दिन रिहाई सुनिश्चित करा लेना तो सिर्फ एक उदाहरण है।

इतनी बड़ी संख्या में समर्थकों का थाने के अंदर घुस आना अचानक नहीं हो सकता। पुलिस कह रही है कि उसे अंदाजा नहीं था, ये हमलावर बैरिकेड तोड़ने के लिए गुरु ग्रंथ साहब को ढाल बनाएंगे। लेकिन ये सब करीब 60 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए आए थे और उन्होंने नंगी तलवारें लहराते हुए थाने को करीब-करीब हाइजैक ही कर लिया था। निश्चित रूप से पुलिस प्रशासन की चुस्ती और सतर्कता पर यह ऐसी टिप्पणी है, जिसे लचर बहाने बनाकर रफा-दफा नहीं किया जा सकता। और, बात सिर्फ स्थानीय प्रशासन की भी नहीं है। अमृतपाल सिंह का खालिस्तान समर्थक रवैया न तो कोई दबी-छुपी बात है और न ही कोई ऐसी बात, जो अचानक सामने आ गई हो। खालिस्तान के पक्ष में लंबे समय से मुहिम चला रहे और पिछले साल एक सड़क दुर्घटना में मारे गए पंजाबी ऐक्टर दीप सिद्धू से अमृतपाल की मुलाकात भले न हुई हो, पर ऑनलाइन नेटवर्क क्लब हाउस पर दोनों एक साथ मौजूद होते रहे हैं। यों भी अमृतपाल सिंह लंबे समय से फेसबुक के जरिए खालिस्तान की मांग खुले तौर पर उठाता रहा है। यह बात केंद्रीय खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों की नजरों से छुपी रह जाए ऐसा हो नहीं सकता। खुद अमृतपाल का भी कहना है कि दुबई से भारत लौटने पर सुरक्षा एजेंसियों ने उससे पूछताछ की थी। सवाल है कि इतना सब कुछ होते हुए भी उसके खिलाफ उपयुक्त कार्रवाई क्यों नहीं हुई। इस चूक या लापरवाही की भी जांच करवाने की जरूरत है। ध्यान रहे, कुछ समय से देश ही नहीं विदेशों में भी खालिस्तान समर्थक तत्वों की सक्रियता काफी बढ़ गई है। अब सरकारों को चेतने की जरूरत है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

किसान को घाटे से बचाने का तंत्र बनाएं

देविंदर शर्मा

इस साल आलू की फसल की कीमत पिछले बरस की 1200 रुपये प्रति क्विंटल से गिरकर 500 रुपये हो गई। मीडिया में एक किसान को कहते हुए पाया, 'हम अपना आलू 900-1000 रुपये प्रति क्विंटल से नीचे बेचने की स्थिति में नहीं हैं क्योंकि इस दाम पर ही हमारी लागत और कुछ मुनाफा पूरा हो पाएगा।' चूंकि आने वाले दिनों में भी कीमतें बढ़ने के आसार नहीं हैं इसलिए आलू उत्पादकों के लिए वक्त बहुत मुश्किल भरा होने जा रहा है। न केवल पंजाब में आलू की कीमतें बुरी तरह टूटी हैं बल्कि बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र में भी यही हो रहा है। किसानों के लिए इन दिनों केवल आलू ही घाटे का सौदा नहीं है वरन गोभी, गाजर और टमाटर उगाना भी हानिकारक है। पहले ही पंजाब में कुछ किसान आलू का दाम 3 रुपये प्रति किलो से अधिक न लगते देख पहले ही फसल उजाड़ने लगे हैं। फसल उगाने में प्रति एकड़ 30000 रुपये खर्च वहन करने वाले एक सब्जी उत्पादक ने कहा, 'इसे मैंने उगाया था और अब खुद ही तबाह कर रहा हूं, यह करना बहुत मुश्किल होता है पर और कोई चारा भी तो नहीं।' यह किसी कृषक के जीवनयापन को कष्टकारी झटका है।

एक हफ्ता पहले, तेलंगाना के ज़हीराबाद जिले में यात्रा करते हुए यही हाल वहां टमाटर की बंपर फसल का होते पाया। जब उनसे पूछा कि पका टमाटर तोड़ क्यों नहीं रहे तो स्पष्टत: अत्यधिक उद्वेलित टमाटर उत्पादक ने कहा, 'अब अलग से तुड़ान, पैंकिंग और मंडी ले जाने के लिए खर्च वहन नहीं करना चाहता, जबकि वहां कीमत महज 2 रुपये प्रति किलो लग रही है, आपको जितना चाहिए ले जाएं।' यह सुनकर बहुत हताशा हुई। 'खेत से नाकामी तक' की यही कहानी सब तरफ देखी। लेकिन इस त्रासदी पर न तो कोई ध्यान देने को राजी है और न ही किसानों की दुर्दशा पर चिंता दूर-दूर तक दिखाई देती है। ऐसा इसलिए कह रहा हूं कि क्योंकि छत्तीसगढ़ से आई एक रिपोर्ट दर्शाती है कि मंडी में अपना 1474 किलो बैंगन बेचने आए मुर्शिदाबाद के एक किसान को विशुद्ध घाटा हुआ, जो दाम लगा उससे लागत तो क्या निकलती, उलटे 121 रुपये अलग से ढुलाई और अन्य मद में खर्च करने पड़े।

इससे एक माह पूर्व, लहसुन उत्पादकों द्वारा अपनी फसल स्थानीय नदियों में फेंकने की खबरें मीडिया में आईं, इसके बाद प्याज उत्पादकों को भी यही करना पड़ा। यदि आप इंटरनेट पर खोजने जाएं तो कृषि-उत्पाद की संकटपूर्ण बिक्री पर कई हजार खबरिया और अध्ययन पेज मिल जाएंगे। अन्य शब्दों में, यह स्थिति निरंतर दोहराव वाला चक्र बन चुकी है। 'खेत से नाकामी तक' की यह कहानी सालों और विस्तृत होती चली जा रही है। किसानों को जो भुगतना पड़ता है वह अखबारों के अंदर के पन्नों तक सिमटकर रह जाता है। इस स्थिति पर देश में वैसी हो-हल्ले वाली प्रतिक्रिया नहीं देखने को मिलती जो स्टॉक मार्किट टूटने पर पैदा होती है। मैंने देखा है कि इसको लेकर सरकार ने विशेष संकटमोचन प्रबंध नहीं किए और न संबंधित मंत्री आए दिन मीडिया में बयान दे रहे थे, लेकिन लहूलुहान हुई खेती का क्या असर कृषि पर जीवनयापन करने वालों पर रहेगा, इस पर समाचार चैनलों के मुख्य समय में कोई चर्चा नहीं दिखती। पैनल चर्चाएं केवल उस वक्त होती हैं, जब ऊपर उठती खुदरा कीमतों से मुद्रास्फीति पर चिंताएं व्यक्त की जाती हैं। बहुसंख्यक श्रमशक्ति, जो इस देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, उसके लिए बस इतना भर।

मानो यह सब काफी न हो, वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने मंडी दखल योजना (मार्केट इंटरवेंशन स्कीम) को बजट में और सुदृढ़ करना तरजीह नहीं दी है, जबकि इसका उद्देश्य था कि बंपर फसल होने पर या कृषि उत्पाद की कीमत किसान की लागत से नीचे गिरने पर सरकार दखल करके भरपाई करेगी। बजट-2023 में मूल्य समर्थन योजना और मंडी दखल योजना के तहत मद में अत्यधिक कटौती हुई है। पिछले साल मंडी दखल योजना हेतु रखे 1500 करोड़ रुपये के बरक्स इस बार महज प्रतीकात्मक रुपये रखे गए हैं। लगता नहीं है कि यह रकम मुट्ठी भर किसानों को पड़ा घाटा भी पूरा कर पाएगी। सब्जी उत्पादक कृषकों के अलावा हिमाचल प्रदेश और कश्मीर के सेब उत्पादकों ने भी धमकी दे रखी है यदि सरकार ने मंडी दखल योजना में मद न बढ़ाई तो आंदोलन की राह पकड़नी पड़ेगी। अगर यह न हुआ तो सरकारी एजेंसियों द्वारा कम गुणवत्ता वाले सेब की सालाना खरीद पर असर पड़ेगा। अकेले हिमाचल प्रदेश में लगभग 60000-80000 टन ऐसा सेब हर साल खरीदा जाता है।

इसलिए ऑपरेशन ग्रीन के समक्ष बड़ी चुनौती न केवल भविष्य में किसानों को मिलने वाली सब्जियों एवं फलों की कीमतें स्थिर रखना है बल्कि उन्हें फसल-विविधता की ओर मोड़ने में मदद देकर काबिल बनाने की भी है। उपभोक्ता तो पहले ही बाजार में ऊंचा दाम चुकाकर वस्तु खरीदता है लेकिन यह किसान है जिसको मोल-तोल वाली व्यवस्था में पिसना पड़ता है, यहां तक कि बड़े संगठित व्यापारियों द्वारा भी।

मौसम से जीवनशैली का तालमेल ही समाधान

अखिलेश आर्येन्दु

मौसम में बदलाव से उतनी परेशानी नहीं होती जितनी कि ऋतु-चक्र में आये बदलाव से होने लगी है। अब तो बारह महीने लोगों से हम यह कहते सुन सकते हैं- इस बार तो गर्मी ने हद कर दी... ऐसी गर्मी तो मैंने कभी नहीं झेली। बरसात आई तो... इस बार की बरसात ने तो हाहाकार मचवा दिया... जिधर देखो पानी ही पानी। इसी तरह जाड़ा आया... ऐसा जाड़ा कि हड्डियां हिलाकर रख दीं। बारह महीने ऋतुओं के बदलाव ने सभी को परेशान कर दिया है। ऋतु परिवर्तन का यह रूप पिछले तीस सालों से हम देख और झेल रहे हैं। पिछले साल जून में उत्तर भारत सहित देश के तकरीबन सभी हिस्सों में बेहाल कर देने वाली गर्मी पड़ी। दिल्ली में पारा जब 48 डिग्री सेंटीग्रेड से ऊपर पहुंचा तो लोगों पर ही इसका असर नहीं दिखा बल्कि पशु-पक्षी भी हलकान दिखे। इस साल राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार, उत्तर प्रदेश, दिल्ली सहित तमाम प्रदेशों में कड़ाके की ठंड ने सबको बेहाल कर दिया। लेकिन इस फरवरी में जिस तरह दिल्ली सहित उत्तर भारत में तापमान सामान्य से ऊपर जाने लगा है, गर्मी की भयंकरता का अनुमान लगाया जा सकता है। मौसम वैज्ञानिक भी कह रहे हैं कि इस बार प्रचंड गर्मी पड़ सकती है।

आज से 40-50 साल पहले के मौसम की जानकारी रखने वाले और लोगों की मौसम का मजा लेते जिसने देखा होगा, वह जानता है कि तब भी दिल्ली, लखनऊ, इलाहाबाद, पटना और कानपुर में ऐसा ही मौसम हुआ करता था। लेकिन लोग तब मौसम के असर को लेकर हो-हल्ला नहीं मचाते थे। मुझे याद है मेरे बाबा बंडी और धोती पहनते थे और नंगे पैर ही चलते थे। चाहे जो मौसम हो। हम लोग जब ठंड की बात करते तो कहते-बचवा! जाड़े के दिन हैं ठंड नहीं तो क्या गर्मी लगेगी।' धीरे-धीरे शरीर को ऋतु-अनुकूल ढालना शुरू कर दिया। आज भी किसी भी मौसम से परेशानी नहीं होती। दरअसल मौसम हमारे अनुकूल नहीं हो सकता बल्कि हमें ही उसके अनुकूल बनना चाहिए।

बदलते ऋतु-चक्र की वजह से दिक्कतें बड़ी हैं लेकिन इन समस्याओं का सामना कैसे करना चाहिए इस तरफ हम गौर नहीं करते। दूसरी तरफ महानगरों और शहरों में लोगों के अंदर सहनशीलता सुख-सुविधाओं के कारण बहुत कम होती जा रही है। चंद लोग ही होंगे जो मौसम का मजा उठाने के लिए खुद को तैयार रखते होंगे। संपन्न परिवारों के लोग सुख-सुविधाओं में जीने के आदी हो गए हैं। वहीं मध्यम वर्गीय, निम्न मध्यम वर्गीय और निम्न वर्गीय परिवार बारहों महीने अपनी सहनशीलता बढ़ाने के बजाय बदलते मौसम अनुकूल साधन-सुविधाएं जुटाने में ही लगे रहते हैं। वे शीत की रात कैसे काटते होंगे और बेतहाशा बढ़ी गर्मी को सहन कैसे करते होंगे। वे क्या कभी सरकार या किसी और से अपनी दुर्दशा बताने जाते हैं?

गांवों में भी लोग ऋतु-चक्र के बदलाव का सामना करने में हाय-तौबा मचाने लगे हैं। फिर भी वे भयंकर ठंड के आतंक से घबराते नहीं। अलाव जलाकर ठंड का सामना करते हैं। असल में मौसम का रोना वही रोता है जो मौसम का मजा लेने के लिए तैयार नहीं होता। भूल जाते हैं कि हर मौसम का महत्व है। जाड़ा यदि न पड़े तो रबी की फसल नहीं हो सकती। बरसात न हो जो खरीफ की फसल तैयार नहीं हो सकती है। बिना मौसम बदलाव के धरती पर न तो वनस्पति रह सकती है और न जीव-जंतु। दुनिया में बदलाव कई स्तरों पर आये हैं। अब मौसम विज्ञानी मौसम का पूर्वानुमान कई महीने पहले बता देते हैं। ऐसे यंत्र विकसित कर लिए गए कि मौसम की जानकारी पहले से मिल जाती है। अनुमान गलत भी हो सकते हैं। फिर भी काफी कुछ सटीक उतरने लगा है। ऐसे में हम यदि मौसम को लेकर रोना न रोएं बल्कि उसका सामना करते हुए आनंद लें, तो परेशानी कम महसूस होगी।

ऋतुओं में असामान्य बदलावों ने हमें सावधान रहने के लिए खुद में बदलाव करने की जरूरत बताई है। मौसम में पिछले 30-40 वर्षों से कुछ अधिक बदलाव सारी दुनिया में महसूस किया जा रहा है। ग्लोबल वार्मिंग और सुनामी का कहर ही नहीं ग्लेशियरों के पिघलने से बाढ़ के बढ़ते खतरे का अहसास आंतकित-अचंभित करने वाला है। ग्रीन हाउस गैसों से बढ़ते प्रदूषण के मद्देनजर कई दूसरी समस्याएं भी पैदा होने लगी हैं। इससे दुनिया में मौसमी आतंक की छाया देखने को मिलने लगी है। अमेरिका जैसे देश में बर्फीले तूफान ने पिछले वर्षों में जो कहर ढहाया, उसे वहां के लोग शायद कभी न भुला पाएं। ऐसे ही भारत में पिछले वर्षों में उत्तराखंड, बिहार और तमिलनाडु में आई बाढ़ और बेमौसम बरसात ने लोगों को हलकानी में डाल दिया। दरअसल, मौसम में उतना बदलाव नहीं आया है जितना कि हमारी जीवनशैली में। मौसम में थोड़ा भी बदलाव आया कि हम परेशान होने लगते हैं। शायद ही कभी हो कि सहजता के साथ कुदरत के स्वभाव का हम स्वागत करें।

शहर बड़े शहर बनते जा रहे हैं और कस्बे शहर। लोग रोजगार के लिए नगरों और महानगरों की ओर पलायन करने के लिए मजबूर हैं, लेकिन यहां आकर अभावों भरी जिंदगी जीते हैं। मौसम की मार ऐसे लोगों को हलकान ही नहीं करती बल्कि मौत का कारण बन जाती है। आज जितने लोग हर साल ठंडक में दिल्ली में मरते हैं उतने ही बड़े राज्य बिहार में भी। इसका मतलब है, मौसम के मुताबिक जिंदगी बसर करना सबके वश की बात नहीं रह गई है, लेकिन यदि सहनशक्ति बढ़ाएं तो कुछ हद तक मौसम की मार झेल सकते हैं।

लोग अपने पार्टनर के साथ समय व्यतीत करने के लिए कई तरह की प्लानिंग करते हैं। कोई मूवी डेट पर जाता है तो कोई डिनर डेट प्लान करता है। हर कोई डेट पर अपने पार्टनर के सामने अच्छा दिखना चाहता है। पर, कई बार ऐसा होता है कि हमें पार्लर जाने का समय नहीं मिलता। अगर आप भी चाहती हैं कि अगर इस दिन आपका चेहरा गुलाब की तरह ही दमकता रहे, पर आपके पास पार्लर जाने का समय नहीं है तो आप भी कुछ घरेलू नुस्खे अपना सकती हैं।

घरेलू नुस्खों से गुलाब की तरह खिलेगा चेहरा

चावल का पानी और एलोवेरा

चेहरा साफ करने के लिए थोड़े चावल को भिगोकर रख दें। इसके बाद चावल के पानी में थोड़ा सा एलोवेरा जेल मिक्स करें। गाढ़ा पेस्ट जैसा बनाकर इसे चेहरे पर अप्लाई करें। इसके बाद हल्के हाथों से थोड़ी मसाज करें और सूखने के बाद चेहरे को धो लें। इससे आपका चेहरा दमकने लगेगा। वहीं, कई लोग अपने बालों को स्ट्रेट करने के लिए चावल के पानी का इस्तेमाल करते हैं। चावल का पानी बालों की ग्रोथ को बेहतर करता है। साथ ही यह आपके बालों को सिल्की और स्ट्रेट बनाना है।

आलू और ग्रीन टी का पेस्ट

आलू में मौजूद पोषक तत्व आपका चेहरा साफ करने में मदद करते हैं। इसके लिए आलू को अच्छे से धोकर मिक्सी में छिलके समेत लें और इसके साथ ग्रीन टी को पीस लें। इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं और सूखने दें। करीब 15 मिनट बाद चेहरे को धो लें। इससे आपके चेहरे पर निखार आएगा। ग्रीन टी विषाक्त पदार्थों को बाहर निकाल सकती है और आपकी त्वचा को एक हेल्दी ग्लो प्रदान कर सकती है। त्वचा पर इसका उपयोग करने से आपकी त्वचा की रंगत और लोच में भी सुधार होता है। दो ग्रीन टी बैग्स को काट लें, सामग्री को खाली करें और इसमें 2 चम्मच शहद मिलाएं।

चेहरे पर लगाएं दूध

बाहर आने-जाने के कारण हम सभी की स्किन प्रदूषण की वजह से काफी डल हो जाती है। इससे चेहरे की डलनेस बढ़ने लगती है। ऐसे में अगर आप हल्के हाथों से दूध से चेहरे पर मसाज करें तो इससे आपका चेहरा ग्लो करेगा। दरअसल, दूध एक सबसे अच्छे क्लींजर का काम करता है। मसाज के बाद ठंडे पानी से चेहरे को धो दें। बस इससे आपका चेहरा साफ हो जाएगा।

टमाटर का करें इस्तेमाल

चेहरे को साफ करने के लिए टमाटर का इस्तेमाल कर सकते हैं। दरअसल, इसमें एंटीऑक्सीडेंट लाइकोपीन पाया जाता है। इस में विटामिन सी भी होता है। अगर आप इससे अपना चेहरा साफ करना चाहते हैं तो टमाटर को पीस कर इसे चेहरे पर लगा लें। इससे चेहरे पर शाइन आएगी।

हंसना मना है

टीचर- एक औरत एक घंटे मे 50 रोटी बना लेती है, तो तीन औरतें एक घंटे में कितनी रोटी बनाएंगी....बच्चा- एक भी नही, क्योंकि तीनों मिलकर सिर्फ चुगली करेंगी...! बच्चे की बात सुनकर टीचर अभी तक बेहोश है...

पप्पू जलेबी बेच रहा था, लेकिन कह रहा था आलू ले लो आलू ले लो... राहगीर- लेकिन ये तो जलेबी है, पप्पू- चुप हो जा! वरना मक्खियां आ जाएंगी।

वकील – हत्या की रात तुम्हारे पति के अंतिम शब्द? पत्नी – मेरा चश्मा कहां है संगीता...? वकील – तो इसमें मारने वाली क्या बात थी...? पत्नी – मेरा नाम रंजना है! पूरा कोर्ट खामोश...

एक सज्जन बता रहे थे कि वो पिछले 20 सालों से गीता के उपदेश सुनते आ रहे हैं...! पता करने पर पता चला कि गीता उनकी धर्मपत्नी का नाम है...!!!

मास्टर जी – शांति किसके घर में रहती है...? पप्पू – जिस घर में पति और पत्नी दोनों मोबाइल चलाते हैं...!!!

यमराज (औरत से) – चलो, मैं तुम्हें लेने आया हूं। औरत – बस दो मिनट दे दो। यमराज – दो मिनट में ऐसा क्या कर लोगी...? औरत – फेसबुक पर स्टेटस डालना है, यह सुनकर यमराज ही हो गए बेहोश...!!!

कहानी: साधु और चूहा

एक गांव में एक साधु मंदिर में रहा करता था। उनकी दिनचर्या रोजाना प्रभु की भक्ति करना और आने-जाने वाले लोगों को धर्म का उपदेश देना थी। गांव वाले भी जब भी मंदिर आते, तो साधु को कुछ न कुछ दान में दे जाते थे। इसलिए, साधु को भोजन और वस्त्र की कोई कमी नहीं होती थी। रोज भोजन करने के बाद साधु बचा हुआ खाना छींके में रखकर छत से टांग देता था। कुछ दिन बाद वह जो खाना छींके में रखता था, गायब हो जाता था। साधु ने परेशान होकर इस बारे में पता लगाने का निर्णय किया। उसने रात को दरवाजे के पीछे से छिपकर देखा कि एक छोटा-सा चूहा उसका भोजन निकालकर ले जाता है। दूसरे दिन उन्होंने छींके को और ऊपर कर दिया, ताकि चूहा उस तक न पहुंच सके, लेकिन यह उपाय भी काम नहीं आया। उन्होंने देखा की चूहा भोजन निकाल लेता था। एक दिन उस मंदिर में एक भिक्षुक आया। उसने साधु की परेशानी का कारण पूछा, तो साधु ने भिक्षुक को पूरा किस्सा सुना दिया। भिक्षुक ने साधु से कहा कि सबसे पहले यह पता लगाना चाहिए कि चूहे में इतना ऊंचा उछलने की शक्ति कहां से आती है। उसी रात भिक्षुक और साधु दोनों ने मिलकर पता लगाना चाहा कि आखिर चूहा भोजन कहां ले जाता है। दोनों ने चुपके से चूहे का पीछा किया और देखा कि मंदिर के पीछे चूहे ने अपना बिल बनाया हुआ है। चूहे के जाने के बाद उन्होंने बिल को खोदा, तो देखा कि चूहे के बिल में खाने-पीने के सामान का बहुत बड़ा भण्डार है। तब भिक्षुक ने कहा कि इसी वजह से ही चूहे में इतना ऊपर उछलने की शक्ति आती है। उन्होंने उस सामग्री को निकाल लिया और गरीबों में बांटा दिया। जब चूहा वापस आया, तो उसने वहां पर सब कुछ खाली पाया, तो उसका पूरा आत्मविश्वास समाप्त हो गया। उसने सोचा कि वह फिर से खाने-पीने का सामान इकट्ठा कर लेगा। यह सोचकर उसने रात को छींके के पास जाकर छलांग लगाई, लेकिन आत्मविश्वास की कमी के कारण वह नहीं पहुंच पाया और साधु ने उसे वहां से भगा दिया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष – आज वाहन सुख का विस्तार होगा। पूर्व निर्धारित कार्यों में सफल रहेंगे। भविष्य की चिंता सताएगी। पूंजी निवेश होगा। आज आपको राजकीय मामलों में सफलता मिलेगी।

तुला – तुला राशि को मित्रों का सहयोग मिलेगा। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं। भौतिक सुख द यात्रा की भी संभावना है। दांपत्य जीवन में मधुरता देखने को मिलेगी।

वृषभ – नौकरी और व्यवसाय के लिए आज अच्छा समय है। आपको आपकी उपलब्धियों के अनुसार उचित परितोष प्राप्त हो सकता है। प्रेम संबंधों के लिए समय शुभ है।

वृश्चिक – प्रेमियों के लिए आज का समय अनुकूल है। जो लोग प्रेम विवाह की प्रतीक्षा में थे, उनकी भी मुराद अब पूरी होने वाली है। संतान को स्वास्थ्य संबंधी समस्या हो सकती हैं।

मिथुन – आज आपकी जिंदगी में होने वाला बदलाव आपके फेवर में रहेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए भी आज का दिन फेवरेबल रहेगा। आप किसी नये कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं।

धनु – आज आप अपने माता-पिता के साथ शॉपिंग के लिए जायेंगे। अच्छा डिस्काउंट मिल सकता है। इस राशि के जो लोग पर्यटन से जुड़े हैं, उनकी आय में बढ़ोतरी हो सकती है।

कर्क – आज सम्बंधो में कुछ उतार-चढ़ाव की स्थिति है। व्यापार में नई संभावनाएं तलाशी जा सकती हैं। जहां तक संभव हो, फालतू की यात्रा कम करें।

मकर – अपने परिवार की भावनाओं को समझकर अपने गुस्से पर काबू रखें। दफ्तर में आप तारीफ पाएंगे। वाहन चलाते वक्त आपको सावधानी बरतनी आवश्यक रहेगी।

सिंह – आज आप में से कुछ कई क्षेत्रों में सकारात्मक विकास देखेंगे। महत्वाकांक्षी उपक्रमों में निवेश करके आप अच्छा लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

कुम्भ – आज आप अपना काम बहुत सलीके से करेंगे। व्यावसायिक योग्यता विकसित होगी। नए उद्यम में सफलता मिलेगी। आप अपनी बौद्धिक क्षमता के कारण प्रचुर सम्मान प्राप्त करेंगे।

कन्या – आज किसी व्यक्ति से आपको उम्मीद से अधिक फायदा होगा। घर के किसी काम को पूरा करने में बड़े-बुजुर्ग की राय आपके लिए कारगर साबित होगी।

मीन – आज आप अपने कार्यक्षेत्र में बेहतर ढंग से काम करेंगे। आपको किसी सामाजिक कार्य में शामिल होने का मौका मिल सकता है। मेहनत से काम में आपको सफलता मिलेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

मैं नसीर सर के साथ काम करने में बहुत कम्फर्टेबल थी : संध्या

संध्या मृदुल इन दिनों चर्चाओं में बनी हुई हैं। काफी समय से लाइम लाइट से दूर चल रही यह अभिनेत्री अब जी 5 की वेब सीरीज से वापसी कर रही हैं। मुगलिया कहानी को ओटीटी के पर्दे पर लाती ताज: डिवाइडेड बाय ब्लड में शहंशाह अकबर के दिल पर राज करने वाली रानी जोधा के किरदार को निभा रही हैं। शुरुआत से बोल्ड रहीं संध्या मृदुल ने इस वेब सीरीज में भी एक रोमांटिक सीन दिया है। इस सीन की खास बात यह है कि संध्या ने इसे अपने से 30 साल बड़े नसीरुद्दीन शाह के साथ किया है। हाल ही में संध्या ने इसके और अपने किरदार के बारे में खुलकर बात की है। धर्मेंद्र, अदिति राव हैदरी, नसीरुद्दीन शाह जैसे तमाम दमदार सितारों से सजी इस सीरीज में संध्या मृदुल जहां जोधा बाई का किरदार निभा रही हैं, वहीं नसीरुद्दीन शाह अकबर के रूप में नजर आएंगे। उनके साथ स्क्रीन शेयर करने पर संध्या काफी खुश हैं। संध्या ने अपने और नसीरुद्दीन के रोमांटिक सीन के बारे में बात करते हुए बोला, मैं नसीर सर के साथ काम करने में बहुत कम्फर्टेबल थी। मैं उनके सामने जब-जब स्क्रीन पर आई तो उन्होंने हमेशा मजाक किया। जैसे कि वह हमेशा कहते थे हे भगवान! यह लड़की बहुत छोटी दिखती है, संध्या मृदुल क्या तुम कभी उम्रदराज होगी? भगवान का शुक्र है! मेरे पास इस लड़की के साथ ज्यादा रोमांटिक सीन नहीं है। वह मुझे बहुत पसंद करते थे लेकिन हमेशा मजाक किया करते थे। नसीर सर का सेंस ऑफ ह्यूमर बहुत अच्छा है तो अगर सीन के दौरान थोड़ी सी भी असुविधा होती थी तो वह सिर्फ मजाक करते थे। वह कहते थे इसके बाल तो सफेद कर दिए होते, यह मेरी बेटी का किरदार निभा सकती है।

अवॉर्ड शो में छोटी ड्रेस पहनने पर ट्रोल हुईं रश्मिका मंदाना

नेशनल क्रश रह चुकी साउथ सिनेमा की जानी-मानी एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना मुंबई में हुए जी सिने अवॉर्ड में शामिल हुई थी। इस दौरान रेड कार्पेट पर एक्ट्रेस बेहद बोल्ड अंदाज में नजर आई। रेड कार्पेट ब्लैक शॉर्ट ड्रेस में नजर आई। हालांकि इस ड्रेस के चलते रश्मिका को सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल होना पड़ा। हमेशा सिंपल लुक में रहने वाली रश्मिका मंदाना का बोल्ड अवतार उनके चाहने वालों को कुछ रास नहीं आया और उनकी उर्फी जावेद से तुलना की जा रही है। एक्ट्रेस के लुक की बात करें तो, रश्मिका ने ब्लैक कलर की बॉडीकॉन शॉर्ट ड्रेस पहनी थी, जिसके साथ लॉन्ग ट्रेल थी। इस ड्रेस में वो काफी बोल्ड और ग्लैमरस लग रही थीं। इसपर एक्ट्रेस ने हाई हील्स और बालों में बन बनाकर अपने लुक को पूरा किया था। इस दौरान रश्मिका मंदाना एक्टर बेलमकोंडा साई श्रीनिवास के साथ भी दिखाई दीं।

यूजर्स ने किया कमेंट

एक्ट्रेस का वीडियो सामने आते ही फैंस जमकर कमेंट कर उनकी तारीफ करते दिखे। हालांकि कई लोगों ने उन्हें ट्रोल भी कर दिया है। यूजर्स का कहना है कि उनपर भी बॉलीवुड एक्ट्रेस जैसा रंग चढ़ गया है। एक कमेंट में लिखा है- उर्फी 2. वहीं तीसरे ने लिखा- ये भी अभी उर्फी को फॉलो कर रही है क्या।

एक्ट्रेस को मिला बेस्ट डेब्यू अवॉर्ड

अवॉर्ड नाइट में रश्मिका मंदाना को बेस्ट डेब्यू के खिताब से नवाजा गया। साल 2022 में एक्ट्रेस ने अमिताभ बच्चन की फिल्म गुडबाय से बॉलीवुड इंडस्ट्री में डेब्यू किया था। पर्दे पर फिल्म भले ही न चली हो, लेकिन एक्ट्रेस की एक्टिंग को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। इस फिल्म के बाद एक्ट्रेस मिशन मजनू में सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ नजर आई थी।

बॉलीवुड | मसाला

आम्रपाली दुबे बनीं दबंग की रज्जो पांडे

सलमान खान की सुपरहिट फिल्म दबंग आईकॉनिक फिल्मों में से एक है। जब भी सलमान खान की रज्जो की बात आती है तो दर्शकों के दिमाग में सबसे पहले सोनाक्षी सिन्हा का चेहरा याद आता है। लेकिन लगता है कि सोनाक्षी सिन्हा को रज्जो के किरदार के लिए टक्कर देने आम्रपाली दुबे ने हल्ला बोल दिया है।

बीते कुछ समय पहले आम्रपाली दुबे ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया था जिसमें आम्रपाली दुबे सोनाक्षी सिन्हा के रज्जो वाले एक गेटअप में नजर आ रही थीं। उनका यह लुक सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था। उनकी तस्वीर पर फैंस उन्हें सोनाक्षी सिन्हा की कॉपी बता रहे थे। आम्रपाली दुबे ने इस तस्वीर को पोस्ट करते हुए कैप्शन में दबंग का सुपरहिट डायलॉग भी लिखा था। आम्रपाली दुबे ने इस पोस्ट को साझा करते हुए लिखा था कि थप्पड़ से डर नहीं लगता साहब... इसी के साथ उन्होंने हंसने वाली इमोजी बनाकर शेयर किए थे।आप इस तस्वीर में देख सकते हैं कि आम्रपाली दुबे ने मांग में सिंदूर लगाए कैसे अपना सादगी भरा अंदाज दर्शकों को दिखाया है। माथे पर लाल बिंदी और गले में मंगलसूत्र पहने हुए आम्रपाली दुबे ने अपने लुक को कंप्लीट किया था।

आम्रपाली दुबे ने अपनी यह तस्वीर साल 2021 में साझा की थी। इन दिनों आम्रपाली दुबे अपनी आने वाली फिल्म के प्रमोशन में काफी बिजी चल रही हैं। आम्रपाली दुबे सुपरहिट गानों में तो नजर आ ही रही हैं साथ ही फिल्म शादी मुबारक को लेकर भी खबरों में छाई हुई हैं। अपनी फिल्म का प्रमोशन करते हुए आम्रपाली दुबे ने खूब गदर मचाया हुआ है।

अजब-गजब | ये है दुनिया का सबसे अद्भुत मंदिर

इस मंदिर के पत्थरों को थपथपाने से आती है डमरू की आवाज

हमारे देश में रहस्यों की कमी नहीं है। इनमें से तमाम रहस्य मंदिरों में मौजूद हैं। देश के हर कोने में आपको कोई न कोई ऐसा मंदिर जरूर मिल जाएगा जो अपने आप में कोई न कोई रहस्य जरूर रखते हैं। आज हम आपको एक ऐसे मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके बारे में आपने आज तक नहीं सुना होगा। इस मंदिर की खास बात ये है कि इस मंदिर के पत्थरों को थपथपाने पर इसमें से डमरू जैसी आवाज निकलती है।

भगवान शिव के समर्पित ये मंदिर हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले में स्थित है। इस मंदिर के बारे में दावा किया जाता है कि यह एशिया का सबसे ऊंचा शिव मंदिर है। बता दें कि हिमाचल प्रदेश को देवभूमि कहा जाता है। यहां सैकड़ों मंदिर में और सभी मंदिर रहस्यों से भरे पड़े हैं। सोलन जिले में मौजूद इस मंदिर का नाम जटोली शिव मंदिर है। बता दें कि दक्षिण-द्रविड़ शैली में बने इस मंदिर की ऊंचाई लगभग 111 फुट है।

मंदिर का भवन निर्माण कला का एक बेजोड़ नमूना है, जो देखते ही बनता है। इस मंदिर को लेकर ये मान्यता है कि पौराणिक काल में भगवान

शिव यहां आए थे और कुछ समय के लिए यहां रहे भी थे। बाद में 1950 के दशक में स्वामी कृष्णानंद परमहंस नाम के एक बाबा यहां आए, जिनके मार्गदर्शन और दिशा-निर्देश पर ही जटोली शिव मंदिर का निर्माण कार्य शुरू हुआ।

उसके बाद साल 1974 में उन्होंने ही इस मंदिर की नींव रखी थी। हालांकि, साल 1983 में उन्होंने समाधि ले ली लेकिन मंदिर का निर्माण कार्य रुका नहीं बल्कि इसका कार्य मंदिर प्रबंधन कमेटी देखने लगी। जटोली शिव मंदिर को पूरी तरह तैयार होने में करीब 39 साल का समय लगा था। करोड़ों रुपये की लागत से बने इस मंदिर की सबसे खास बात ये है कि इसका निर्माण देश-विदेश के श्रद्धालुओं द्वारा दिए गए दान के पैसों से हुआ है।

यही वजह है कि इसे बनने में तीन दशक से भी ज्यादा का समय लगा। इस मंदिर में हर तरफ विभिन्न देवी-देवताओं की मूर्तियां स्थापित हैं जबकि मंदिर के अंदर स्फटिक मणि शिवलिंग स्थापित है। इसके अलावा यहां भगवान शिव और माता पार्वती की मूर्तियां भी स्थापित की गई हैं। वहीं, मंदिर के ऊपरी छोर पर 11 फुट ऊंचा एक विशाल सोने का कलश भी स्थापित है, जो इसे बेहद ही खास बना देता है। हर साल यहां हजारों की संख्या में देश-विदेश से श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं और अपने लिए कामना करते हैं।

यहां पर आज भी मौजूद है तीन हजार साल पुराना लौंग का पेड़

लौंग का इस्तेमाल हर घर की रसोई में किया जाता है। लौंग खाने का स्वाद ही नहीं बढ़ाती बल्कि ये स्वास्थ्य के लिए भी बहुत लाभदायक है। लौंग का प्रयोग दांतों के दर्द, गले की खराश के अलावा पेट दर्द में भी प्रयोग किया जाता है। यही वजह है कि लौंग का प्रयोग हर घर में किया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि लौंग का चलन दुनिया में कब से शुरु हुआ आज हम आपको लौंग के इतिहास से जुड़े ऐसे ही कुछ तथ्यों के बारे में बताने जा रहे हैं। जिनके बारे में आपने आजतक नहीं सुना होगा बताया जाता है कि लौंग का इतिहास अब से करीब तीन हजार साल पुराना है। तब पूर्वी एशिया के कुछ द्वीपों पर केवल लौंग के ही पेड़ हुआ करते थे। ऐसा माना जाता है कि उनदिनों टर्नेट, टिडोर और उसके कुछ द्वीपों में लौंग के पेड़ पाए जाते थे। इसीलिए यहां रहने वाले लोगों को लौंग का खूब फायदा मिला। ये लोग लौंग का कारोबार करते थे और इससे खूब पैसा कमाते थे। ऐसा माना जाता है कि दुनिया का सबसे पुराना लौंग का पेड़ इंडोनेशिया के टर्नेट द्वीप पर है। बता दें कि टर्नेट एक ऐसा द्वीप है जहां ज्वालामुखियों की भरमार हैं। बावजूद इसके लोग खुद को यहां जाने से रोक नहीं पाते। इस द्वीप की खूबसूरती बाकी द्वीपों के हटकर है। इस द्वीप पर तमाम तरह के जीव-जंतु पाए जाते हैं। इस द्वीप पर उड़ने वाले मेंढक भी पाए जाते हैं। जो आपके मन को मोह लेंगे। ऐसा माना जाता है कि इसी वजह से अंग्रेज वैज्ञानिक अल्फ्रेड रसेल वॉलेस ने उन्नीसवीं सदी में नई नस्लों की खोज के लिए इस द्वीप की यात्रा कीअपने इस काम को अंजाम देने के लिए उन्होंने इन द्वीपों पर कई साल भी बिताए। वहां से जब वह वापस लंदन गए तो उनके पास करीब सवा लाख से भी ज्यादा प्रजातियों के नमूने थे। बताया जाता है कि लौंग के व्यवसाय से जब टर्नेट और टिडोर के सुल्तानों के पास काफी पैसा इकट्ठा हो गया था। उसके बाद वो खुद को सबसे ज्यादा ताकतवर समझने लगे। इसीलिए उनमें आपस में लड़ाई झगड़े होने लगे। उनकी इस लड़ाई का फायदा अंग्रेजों और डच कारोबारियों उठाया और उनके इस इलाकों पर कब्जा लिया।

मोदी सरकार की साजिश नाकाम होगी लड़ाई जारी रहेगी : मनीष सिसोदिया

» केजरीवाल को लिखी चिट्ठी- मुझे डराया, धमकाया और लालच दिया गया, नहीं झुका तो जेल में डाल दिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मंत्री पद से इस्तीफा देते हुए मनीष सिसोदिया ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को तीन पन्नों की चिट्ठी लिखी है। इसमें उन्होंने अपने ऊपर लगे सारे इल्जामों का जवाब देते हुए भाजपा पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने लिखा, मैं इसे अपना बहुत बड़ा सौभाग्य समझता हूं कि मुझे आपके (अरविंद केजरीवाल) नेतृत्व में लगातार आठ वर्षों तक दिल्ली सरकार में मंत्री के रूप में कार्य करने का अवसर मिला। मुझे खुशी है कि पिछले आठ साल में दिल्लीवासियों की जिंदगी में खुशहाली और समृद्धि लाने का जो काम आपके नेतृत्व में हुआ है, एक मंत्री के नाते मुझे भी उसमें थोड़ी बहुत भूमिका निभाने का अवसर मिला है। विशेषकर शिक्षा मंत्री के रूप में मिली जिम्मेदारी, शायद पिछले जन्मों का कुछ पुण्य रहा होगा जिनके फलस्वरूप मुझे इस जन्म में मां सरस्वती की सेवा का ऐसा महान अवसर मिला।

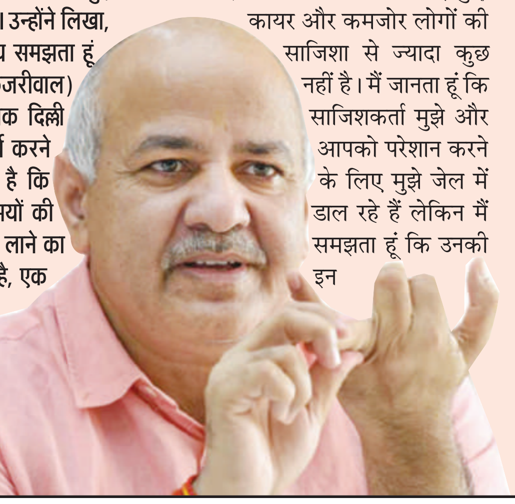

यह बहुत दुखद है कि आठ साल तक लगातार ईमानदारी और सत्य निष्ठा के साथ काम करने के बावजूद मेरे ऊपर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए जा रहे हैं। मैं जानता हूं, मेरा ईश्वर जानता है के ये सारे आरोप झूठ है। ये आरोप वस्तुतः अरविंद केजरीवाल की सच्चाई की राजनीति से घबराए हुए, कायर और कमजोर लोगों की साजिश से ज्यादा कुछ नहीं है। मैं जानता हूं कि साजिशकर्ता मुझे और आपको परेशान करने के लिए मुझे जेल में डाल रहे हैं लेकिन मैं समझता हूं कि उनकी इन साजिशों से सच्चाई की राजनीति की हमारी लड़ाई और मजबूत होगी। वह हमें और हमारे साथियों को जेल में बंद कर सकते हैं लेकिन हमारे हौसलों को आसमान की ऊंचाइयों को छूने से नहीं रोक सकते। मुझे लगता है मेरे जेल जाने से हमारे साथियों का, हमारे कार्यकर्ताओं का मनोबल और बढ़ेगा व उनके अंदर देश के लिए कुछ करने का जज्बा और और भरेगा।

कैलाश गहलोत व राजकुमार आनंद के बीच बांटे गए विभाग

नई दिल्ली। मनीष सिसोदिया के सभी 18 विभाग दिल्ली सरकार के मंत्री कैलाश गहलोत व राजकुमार आनंद के बीच बांट दिए गए हैं। दिल्ली सरकार को बजट पेश करना है इसके मद्देनजर कैलाश गहलोत को वित विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अब विधानसभा में वही बजट पेश करेंगे। इसके अलावा उन्हें गृह, जल और पीडब्ल्यू विभाग भी सौंपा गया है। वहीं राजकुमार आनंद को शिक्षा मंत्रालय के अलावा सिसोदिया के 10 विभागों का जिम्मा सौंपा गया है।

लोकतंत्र पर हो रहा हमला : विजयन

केरल के मुख्यमंत्री पिनरई विजयन ने भी भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्षी पार्टियों को डराने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल किया जा रहा है। यह लोकतंत्र पर हमला है। विजयन ने कहा कि केंद्र देश में विपक्ष शासित राज्य सरकारों को अस्थिर करने का प्रयास कर रहा है। इसके जरिए बेरोजगारी और आर्थिक संकट के मुद्दों से ध्यान हटाने की कोशिश की जा रही है।

निर्वाचित सरकारों को दबाने का प्रयास : सोरेन

रांची/कोच्चि। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने केंद्र द्वारा डाले जा रहे छापो को लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित राज्य सरकारों को दबाने का प्रयास बताया। सीएम सोरेन ने कहा कि रविवार को दिल्ली में सिसोदिया की गिरफ्तारी निराशाजनक है। उन्होंने एक ट्वीट में कहा कि लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई राज्य सरकारों पर हमला करने और उनकी आवाज को दबाने का यह एक और प्रयास है, जो विशेष रूप से हाशिए के लोगों और उनके मुद्दों के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने केंद्र पर गैर-भाजपा शासित राज्यों में सरकारों को अस्थिर करने के लिए सभी केंद्रीय बलों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। सोरेन ने केंद्र पर भी कटाक्ष करते हुए कहा कि पूरा देश देख रहा है कि क्या हो रहा है। लोग समझते हैं। जो कुछ हो रहा है वह लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है।

तेज रफ्तार का कहर : गाड़ियों की टक्कर में आठ लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोंडा। यूपी में अलग-अलग हादसों में आठ लोगों की मौत हो गई। पहली घटना गोंडा में जबकि दूसरी हापुड़ में हुई। गोंडा में एक कार्यक्रम में शामिल होकर मंगलवार देर रात लौट रहे कार सवार लोगों को डम्फर ने टक्कर मार दी। हादसे में एक अधिवक्ता समेत तीन लोगों की मौत हो गई जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

गोंडा पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के साथ ही घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। बहराइच करनैलगंज मार्ग पर जिला गोंडा के थाना कटरा के निंद्रा जोगिन पुरवा के पास हुए हादसे में कार में सवार ग्राम सभा आदिल पुर थाना हुजूरपुर बहराइच के राघवेंद्र सिंह उर्फ बघेली एडवोकेट व आशीष जायसवाल उर्फ लल्लन निवासी भगड़वा बाजार थाना हुजूरपुर बहराइच व देवेंद्र सिंह निवासी भगड़वा की कार अनियंत्रित होकर एक वाहन में जा घुसी। उधर हापुड़ के बाबूगढ़ थाना अंतर्गत हाइवे -9 पर हुए भीषण हादसे में कार सवार चार लोगों की मौत हो गई। जबकि कार में सवार तीन साल की मासूम बच्ची गंभीर रूप से घायल हुई है। दिल्ली निवासी परिवार गढ़ में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होकर वापस लौट रहा था। सुबह 4.00 बजे जैसे ही कार हाईवे पर गांव रसूलपुर कट के पास पहुंची तो किनारे खड़े कैंटर में जा घुसी। इससे एक महिला समेत कार सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस कार सवारों की शिनाख्त का प्रयास कर रही है। जबकि गंभीर रूप से घायल बच्ची को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जोशीमठ में भू-धंसाव की दर हुई दोगुनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। एसडीसी फाउंडेशन ने उत्तराखंड डिजास्टर एंड एक्सीडेंट सिनोप्सिस (उदास) की जनवरी की रिपोर्ट जारी की है। वाडिया भू विज्ञान संस्थान देहरादून के वैज्ञानिकों के हवाले से उदास की रिपोर्ट में कहा गया है कि जोशीमठ में भूमि धंसने की दर दोगुनी हुई है।रिपोर्ट के अनुसार राज्य में जनवरी में जोशीमठ को छोड़कर कोई ऐसी बड़ी आपदा या दुर्घटना नहीं हुई, जिसमें एक ही दिन या एक समय विशेष में जान माल की क्षति हुई हो। रिपोर्ट में चमोली जिले के कर्णप्रयाग, टिहरी के अटाली गांव आदि में भी जमीन धंसने की घटनाओं का जिक्र किया गया है। इसके अलावा इस रिपोर्ट में इस महीने आए भूकंप के झटके और चमोली जिले में हिमस्खलन का भी जिक्र किया गया है।

जनवरी की रिपोर्ट में खुलासा

उदास की रिपोर्ट पर्यावरणविद् प्रो. रवि चोपड़ा के हवाले से कहती है कि यह मानने के पर्याप्त कारण हैं कि जोशीमठ में भूधंसाव की प्रमुख वजह टनल है। फाउंडेशन के अध्यक्ष अनूप नौटियाल के अनुसार उत्तराखंड डिजास्टर एंड एक्सीडेंट सिनोप्सिस (उदास) रिपोर्ट का उद्देश्य राज्य में पूरे महीने आने वाली प्रमुख आपदाओं और दुर्घटनाओं का डॉक्यूमेंटेशन है।

वहीं जोशीमठ के भू-धंसाव प्रभावित परिवारों के स्थायी पुनर्वास के लिए भूमि का चयन कर लिया गया है। प्रभावितों को गौचर और जोशीमठ के बीच तय भूमि पर ही शिफ्ट किया जाएगा। इसके लिए 40 से 50 हेक्टेयर भूमि चयनित की गई है। यह जमीन कहां चिन्हित की गई है, शासन ने अभी इसका खुलासा नहीं किया है। जोशीमठ में भू-धंसाव प्रभावित क्षेत्र गांधीनगर, सिंहधार, मनोहरबाग और सुनील वार्ड में 863 भवनों में दरारें आई हैं।

पुनर्वास के लिए ये हो सकते हैं विकल्प

प्रशासनिक सूत्रों की मानें तो प्रभावितों को गौचर में भट्टनगर क्षेत्र में अलकनंदा के दूसरी पार स्थित भूमि पर विस्थापित किया जा सकता है। इसके अलावा जोशीमठ के पास ढाक गांव और सिंहधार में उद्यान विभाग की भूमि को भी प्राथमिकता में रखा गया है।

आईपीएल में नहीं खेलेंगे जसप्रीत बुमराह

» वनडे विश्व कप 2023 से पहले फिटनेस पर ध्यान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पिछले कई महीनों में उन्होंने महत्वपूर्ण सीरीज और टूर्नामेंट मिस किए, जिनमें से एक टी-20 विश्व कप 2022 भी शामिल है, लेकिन उनकी पीठ की चोट पहले जितनी गंभीर दिख रही है, ऐसे में हाल ही में एक रिपोर्ट के अनुसार, वह आईपीएल 2023 से बाहर हो सकते हैं। बुमराह पीठ की सर्जरी कराने के लिए तैयार हैं। ऐसे में उनके डब्ल्यूटीसी फाइनल 2023 खेलने पर संशय बना हुआ है।

दरअसल, हाल ही में क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की फिटनेस पर बड़ा अपडेट आया है। रिपोर्ट के अनुसार, बुमराह के आईपीएल 2023 में मुंबई इंडियंस टीम की तरफ से खेल पाने की संभावना बेहद कम नजर आ रही है। बुमराह आईपीएल से पहले पूरी तरह फिट नहीं हो पाएंगे। वह इस वक्त नेशनल क्रिकेट एकेडमी में रिहैब के लिए मौजूद है, लेकिन रिपोर्ट के अनुसार, बुमराह पीठ की सर्जरी कराने के लिए तैयार हैं। ऐसा माना जा रहा है कि उन्हें मैदान पर वापसी करने के लिए अभी कुछ और समय लग सकता है। वह अभी तक अपनी चोट के कारण असहज महसूस कर रहे है। ऐसे में कयास लगाया जा रहा है कि मुंबई इंडियंस को आईपीएल 2023 में बुमराह के बिना ही मैदान पर उतरना पड़ सकता है।

स्टोक्स पर भी संशय

नई दिल्ली। इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। मैदान पर उनके बाएं घुटने पर चोट लगी थी, जिसके बाद वह लड़खड़ाते हुए मैदान से बाहर जाते हुए दिखें। उनके चोटिल होने के बाद यह काफी तेजी से चर्चा होने लगी कि क्या स्टोक्स की चोट ज्यादा गंभीर है तो आईपीएल 2023 में वह खेलते हुए नजर आएंगे या नहीं। हालांकि, स्टोक्स ने दूसरा टेस्ट मैच गंवाने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अपनी फिटनेस पर बड़ा अपडेट दिया। दरअसल, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में इंग्लैंड टीम को महज 1 रन से हार का सामना करना पड़ा। मैच की शुरुआत में इंग्लैंड मजबूत स्थिति में था, लेकिन इंग्लिश टीम को मैच के पांचवे दिन न्यूजीलैंड से हार झेलनी पड़ी।

उमेश पाल हत्याकांड: अतीक अहमद के करीबी जफर के घर पर चला बुलडोजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रयागराज हत्याकांड के आरोपियों पर योगी सरकार का एक्शन जारी है। अब प्रशासनिक स्तर पर भी कार्रवाई शुरू हो रही है। बुधवार को प्रयागराज में बुलडोजर भी अपना काम करने लगा है। उमेश पाल की हत्या में वांछित बदमाशों में से एक बदमाश के घर पीडीए का बुलडोजर चल। धूमनगंज थाना इलाके के कालिंदीपुरम कसारी मसारी में कार्रवाई चल रही। मौके पर भारी फोर्स मौजूद है। पीडीए के अफसर मौके पर हैं। इलाहाबाद के चकिया में अवैध प्रॉपर्टी पर पीडीए की कार्रवाई की गई। जफर खालिद अहमद की अवैध संपत्ति पर पीडीए का बुलडोजर चल रहा है। जफर, बाहुबली अतीक अहमद का बेहद करीबी माना जाता है। अतीक का पूरा परिवार जफर के घर पर ही रहता था। बताया जा रहा है कि इस मकान का नक्शा पास नहीं है। इस अवैध निर्माण को पीडीए द्वारा पहले ही नोटिस दिया गया था और आज अवैध बने मकान के निर्माण की ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की जा रही ह। प्रयागराज विकास प्राधिकरण के सचिव अजित सिंह ने बताया कि ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के लिए पीडीए का बुलडोजर अतीक अहमद के करीबी जफर अहमद के घर को ध्वस्त करने के लिए कार्रवाई की गई।

पहले घर से निकाला गया सामान

उधर जफर अहमद के घर पर पहुंची बुलडोजर के साथ प्रशासन की टीम ने घर से सामान निकालने का सिलसिला शुरू किया। इस दौरान जफर अहमद के घर से बड़े पैमाने पर बैनर और पोस्टर भी निकाले गए। इन पोस्टरों में शाइस्ता परवीन के बहुजन समाज पार्टी के मेयर पद का प्रत्याशी बनाए जाने की बात भी लिखी गई थी। प्रयागराज बुलडोजर एक्शन को लेकर भारी संख्या में सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। सामान निकाले जाने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद बुलडोजर एक्शन शुरू होने की बात कही जा रही है।

सदाकत के मोबाइल से मिली अतीक के बेटे की चैट

प्रयागराज। उमेश पाल हत्याकांड में मुख्य साजिशकर्ता सदाकत खान और अतीक के चौथे नंबर के नाबालिग बेटे व्हाट्सएप पर लगातार चैटिंग करते थे। पुलिस को सदाकत के मोबाइल से चैटिंग की डीटेल्स मिली। कुछ चैट डिलीट भी हैं। उनके बारे में पता किया जा रहा है। सदाकत के मुस्लिम बोर्डिंग हास्टल के कमरे में ही साजिश रची गई थी। साजिश वाली मीटिंग में अतीक और अशरफ ने व्हाट्सएप कॉल से हिस्सा लिया था। अस्पताल में भर्ती होने के कारण सदाकत को मंगलवार को जेल नहीं भेजा जा सका। न्यायिक अभिरक्षा रिमांड आज बन गया है। डाक्टरों के परामर्श के बाद ही उसे जेल भेजा जाएगा। सदाकत को रविवार को गोरखपुर से पकड़कर सोमवार को प्रयागराज लाया गया था।

विधानसभा सत्र का 9वां दिन

फोटो: सुमित कुमार

विधानसभा सत्र के 9वें दिन सदन में प्रतिभाग करने जाते विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना व विधायगण।

फोटो:4 पीएम

प्रमोशन राजधानी लखनऊ पहुंचे फिल्म अभिनेता रणबीर कपूर अपनी आने वाली फिल्म 'तू झूठी मैं मक्कार' का लूलू मॉल में प्रमोशन दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए।

शिवराज सरकार का चुनावी बजट पेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्यप्रदेश के वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा ने विधानसभा में कांग्रेस के हंगामे के बीच बजट प्रस्तुत किया। सीएम शिवराज सिंह चौहान सरकार के चौथे कार्यकाल का यह अंतिम बजट है। बजट भाषण के बाद विधानसभा की कार्यवाही गुरुवार तक के लिए स्थगित कर दी गई।

देवड़ा ने कहा कि हमारी सरकार ने शासकीय सेवा में एक लाख से अधिक नई नियुक्तियां देने का अभियान प्रारंभ किया है। भोपाल में संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल पार्क बनेगा। इसमें हर साल छह हजार प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। देवड़ा ने कहा कि इंदौर और भोपाल मेट्रो परियोजनाओं के लिए राज्य सरकार ने 710 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। इसी साल दोनों शहरों में मेट्रो का ट्रायल करने की योजना है। चुनावी दृष्टि से यह बेहद महत्वपूर्ण है।

3.14 लाख करोड़ रुपये का बजट

मध्यप्रदेश का कुल बजट 3.14 लाख करोड़ रुपये का है, जो पिछले साल 2.79 लाख करोड़ रुपये का था। 55,709 करोड़ रुपये का राजकोषीय घाटा अनुमानित है। इसके अलावा पीएम श्री योजना के लिए 277 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसी तरह मुख्यमंत्री कृषक विशाल जन सहायता योजना के अंतर्गत 1000 करोड़ रुपये का प्रावधान है। मुख्यमंत्री गोसेवा योजना के अंतर्गत 3346 गौशालाओं का निर्माण स्वीकृत किया गया है। कृषि संबंधित योजनाओं कुल 53,264 करोड़ रुपये का प्रावधान है।

निजी व्यक्ति और धार्मिक संस्थान नहीं रख सकते हाथी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मद्रास हाईकोर्ट का फैसला

नई दिल्ली। मद्रास हाईकोर्ट ने हाथियों के संरक्षण को लेकर बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा कि अब तमिलनाडु में निजी व्यक्ति और धार्मिक संस्थान हाथियों का अधिग्रहण नहीं कर सकते हैं। कोर्ट ने इसपर पूरी तरह से रोक लगा दी है।

कोर्ट ने सरकार, पर्यावरण और वन विभाग को सभी मंदिरों और अन्य निजी स्वामित्व वाले हाथियों का निरीक्षण करने को भी कहा है। कोर्ट ने कहा, अब यह निर्णय लेने का समय आ गया है कि कैद में रखे गए ऐसे सभी हाथियों (मंदिरों और निजी स्वामित्व वाले) को सरकारी पुनर्वास शिविरों में स्थानांतरित कर दिया जाए। सरकार, पर्यावरण और वन विभाग के सचिव, मानव संसाधन और सीई के सचिव के साथ समन्वय कर सकते हैं। कोर्ट ने 60 साल की हथिनी जयमाला की कस्टडी को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए ये फैसला दिया। कोर्ट ने अपने आदेश में ये भी कहा है कि हथिनी जयमाला को उसके महावत से अलग नहीं किया जा सकता है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020**
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।